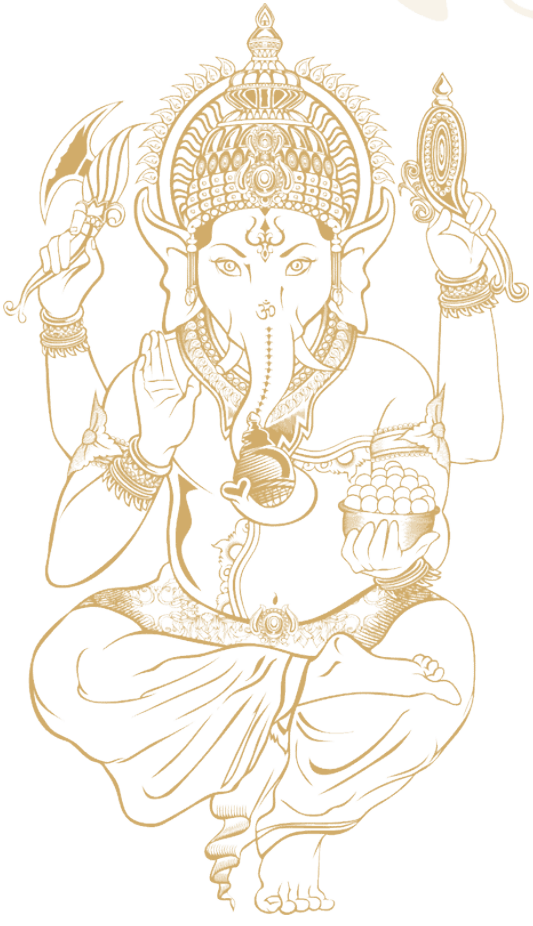

Doongar chand ji panwar

22 Nov 1978

02:15 AM

Barmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 120832707

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21-22/11/1978**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**02:15:00 घंटे**
इष्ट	47:51:44 घटी
स्थान	**Barmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:43:00 उत्तर
रेखांश	71:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:44:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:30:40 घंटे
वेलान्तर	00:14:14 घंटे
साम्पातिक काल	05:32:38 घंटे
सूर्योदय	07:06:18 घंटे
सूर्यास्त	17:53:54 घंटे
दिनमान	10:47:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	05:37:31 वृश्चिक
लग्न के अंश	00:16:21 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ब्रह्म
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेविड
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	00:16:21	325:10:21	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	05:37:31	01:00:36	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	24:28:37	11:49:34	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	स्वराशि
मंगल		अ	वृश्चि	20:51:04	00:44:14	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	स्वराशि
बुध			वृश्चि	26:53:18	00:32:58	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	सम राशि
गुरु			कर्क	15:28:19	00:00:47	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र	व		तुला	14:41:47	00:16:32	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मूलत्रिकोण
शनि			सिंह	19:23:28	00:03:30	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	00:44:59	00:01:33	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	00:44:59	00:01:33	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	मूलत्रिकोण
हर्ष			तुला	23:55:42	00:03:41	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
नेप			वृश्चि	23:46:45	00:02:10	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
प्लूटो			कन्या	24:36:51	00:01:55	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
दशम भाव			मिथु	00:09:28	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:33:41

लग्न-चलित

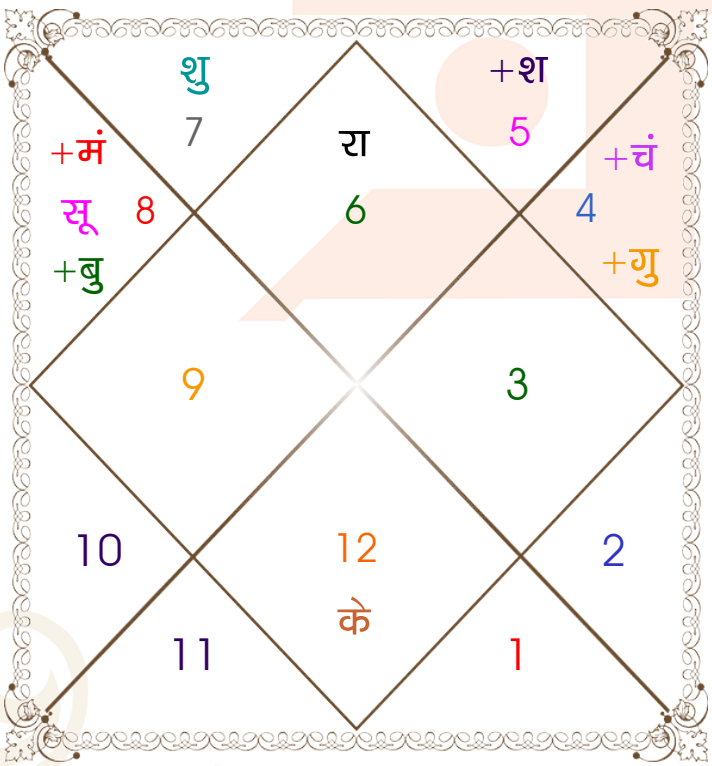

चन्द्र कुंडली

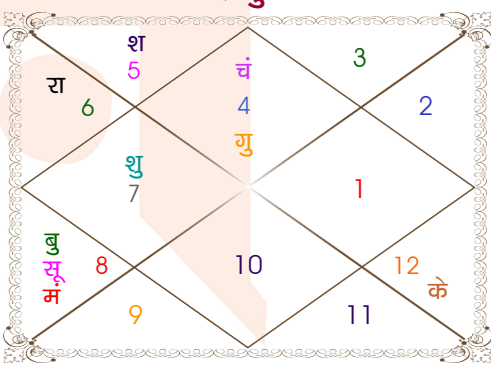

नवमांश कुंडली

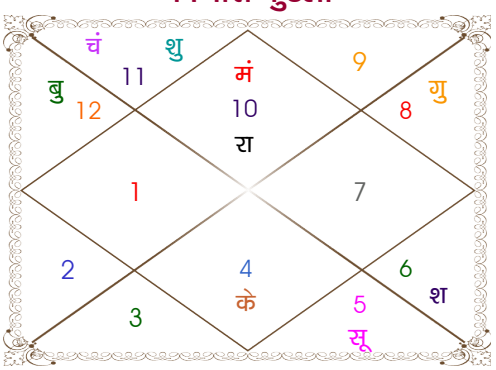

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 7 वर्ष 0 मास 15 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
22/11/1978		07/12/1985		06/12/1992		06/12/2012		07/12/2018	
07/12/1985		06/12/1992		06/12/2012		07/12/2018		06/12/2028	
	00/00/0000	केतु	05/05/1986	शुक्र	07/04/1996	सूर्य	26/03/2013	चंद्र	07/10/2019
	00/00/0000	शुक्र	05/07/1987	सूर्य	07/04/1997	चंद्र	25/09/2013	मंगल	07/05/2020
	00/00/0000	सूर्य	10/11/1987	चंद्र	07/12/1998	मंगल	30/01/2014	राहु	06/11/2021
	00/00/0000	चंद्र	10/06/1988	मंगल	06/02/2000	राहु	25/12/2014	गुरु	08/03/2023
	00/00/0000	मंगल	06/11/1988	राहु	06/02/2003	गुरु	13/10/2015	शनि	07/10/2024
	22/11/1978	राहु	25/11/1989	गुरु	07/10/2005	शनि	24/09/2016	बुध	08/03/2026
राहु	22/12/1980	गुरु	31/10/1990	शनि	06/12/2008	बुध	01/08/2017	केतु	07/10/2026
गुरु	30/03/1983	शनि	10/12/1991	बुध	07/10/2011	केतु	07/12/2017	शुक्र	07/06/2028
शनि	07/12/1985	बुध	06/12/1992	केतु	06/12/2012	शुक्र	07/12/2018	सूर्य	06/12/2028

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
06/12/2028		07/12/2035		07/12/2053		07/12/2069		06/12/2088	
07/12/2035		07/12/2053		07/12/2069		06/12/2088		00/00/0000	
मंगल	05/05/2029	राहु	19/08/2038	गुरु	25/01/2056	शनि	09/12/2072	बुध	05/05/2091
राहु	23/05/2030	गुरु	12/01/2041	शनि	07/08/2058	बुध	20/08/2075	केतु	01/05/2092
गुरु	29/04/2031	शनि	19/11/2043	बुध	12/11/2060	केतु	27/09/2076	शुक्र	02/03/2095
शनि	07/06/2032	बुध	07/06/2046	केतु	19/10/2061	शुक्र	28/11/2079	सूर्य	07/01/2096
बुध	04/06/2033	केतु	26/06/2047	शुक्र	19/06/2064	सूर्य	09/11/2080	चंद्र	07/06/2097
केतु	31/10/2033	शुक्र	26/06/2050	सूर्य	07/04/2065	चंद्र	10/06/2082	मंगल	04/06/2098
शुक्र	31/12/2034	सूर्य	20/05/2051	चंद्र	07/08/2066	मंगल	20/07/2083	राहु	22/11/2098
सूर्य	08/05/2035	चंद्र	18/11/2052	मंगल	14/07/2067	राहु	26/05/2086		00/00/0000
चंद्र	07/12/2035	मंगल	07/12/2053	राहु	07/12/2069	गुरु	06/12/2088		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 7 वर्ष 0 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।